

**बदमाशी स्त्री.** (फा.) कुकर्म, दुश्चरित्रता, व्यभिचार, बदलचलनी, लुच्चापन, गुंडापन, दुष्टता, शैतानी, खोटाई, पाजीपन, दुर्वृत्ति।

**बदमिजाज वि.** (फा.) चिड़चिड़े स्वभाव वाला, चिड़चिड़ा, बुरे स्वभाव वाला, क्रोधी, दुःस्वभाव, खोटी प्रकृति का, जल्दी नाराज होने वाला **स्त्री.** (फा.) 1. जाँघ के किनारे निकली गिल्टी 2. एक प्रकार का चर्म रोग 3. एक प्रकार का फोड़ा 4. चौपायों का एक रोग 5. एवज, बदला **वि.** 1. बुरा, खराब 2. दुष्ट, खोटा उदा. बद अच्छा बदनाम बुरा।

**बदनीयती स्त्री.** (फा.) बुरी नीयत होने का भाव या अवस्था, लालच, बेईमानी।

**बदरंग वि.** (फा.) बुरे रंग का, विवर्ण, जिस का रंग फीका पड़ गया हो, भददे रंग का।

**बदरा पुं.** (देश.) बादल, मेघ।

**बदरीनारायण पुं.** (तत्.) उत्तराखंड में स्थित 'बदरीनाथ' नामक स्थान में भगवान विष्णु की मूर्ति, बदरिकाश्रम के प्रधान देवता।

**बदलना अ.क्रि.** (अर.) 1. परिवर्तित होना, एक स्थिति या रूप से दूसरी स्थिति या रूप में होना या आना 2. अदला बदली हो जाना 3. भिन्न हो जाना 4. एक जगह से दूसरी जगह तैनात होना।

**बदली स्त्री.** (देश.) छोटा बादल, बदरिया, आकाश में बादलों का छा जाना, मेघाच्छन्नता, धन विस्तार **स्त्री.** (अर.) परिवर्तित होने की अवस्था या भाव, परिवर्तन, तब्दीली, स्थानांतरण, तबादला।

**बदसूरत वि.** (फा.) कुरूप, बदशक्ल, बेडौल, भौंड़ा।

**बदहजमी स्त्री.** (फा.) अजीर्ण, अपच, बदहजमी।

**बदहवास वि.** (फा.) जो ठीक होश-हवास में न हो, व्याकुल, उद्विग्न, विकल, अचेत, बेहोश।

**बधाई स्त्री.** (तद्.) 1. वर्धन, बढ़ती, वृद्धि 2. किसी की उन्नति होने पर या परिवार में जन्म, विवाह आदि मांगलिक अवसरों पर दी जाने वाली शुभकामना, मुबारकबाद 3. मांगलिक अवसरों पर होने वाले उत्सव या गायन आदि, बधावा, मंगलाचार।

**बधिक पुं.** (तद्.) वध या हत्या करने वाला, हत्यारा, जल्लाद, ब्याध, चिड़ीमार, बहेलिया।

**बधिया वि.** (देश.) बैल आदि नर-पशु जिसको नपुंसक बना दिया गया हो, जिसका अंडकोष कुचल दिया गया हो, खस्सी, वह बैल जो हल में जुतता हो या बोझा ढोता हो।

**बधिर पुं.** (तद्.) वह व्यक्ति जो सुन नहीं पाता, बहरा।

**बधू स्त्री.** (तद्.) वधू, बहू, जिस कन्या का विवाह हो रहा हो, भाई, बहन के पुत्र आदि की पत्नी, पुत्र की बहू, पतोहू।

**बधूटी स्त्री.** (तद्.) वधू, सहधर्मिणी, पत्नी, भार्या जोरू, पत्नी, सौभाग्यवती स्त्री, सुहागिन, नई आई हुई बहू।

**बन पुं.** (तद्.) 1. वन, जंगल, कानन, अरण्य, बगीचा, बाग, जल, पानी 2. कपास का पौधा 3. समूह, झुंड।

**बनजारा पुं.** (तद्.) वाणिज्यकार, बैलों आदि पर अन्न लादकर उसे बेचने के लिए देश-परदेश ले जाने वाला, टाँडा, टँडैया लादने वाला, बंजारा, व्यापारी।

**बनतुलसी स्त्री.** (तद्.) वनतुलसी, बर्बरी, एक पौधा जो लगभग 30-45 से.मी. ऊँचा होता है तथा पत्ते और फूल कठोर और रोमयुक्त होते हैं।

**बनना अ.क्रि.** (तद्.) 1. निर्मित होना, रचा जाना, किसी वस्तु को नया रूप देकर पुन रूपये बना देना 2. स्थिति, रूप, भाव, संबंध में परिवर्तन, कोई कार्य संभव होना 3. परस्पर प्रेम, मित्रता, मेलजोल आदि होना 4. रूप धारण करना, सुसज्जित होना 5. घटित होना 6. दक्ष करना 7. झूठा प्रदर्शन करना 8. तैयार होना।

**बनपाल पुं.** (तद्.) वनपाल, जंगल का रख वाला, वन रक्षक।

**बनफसा पुं.** (फा.) बनफशा, एक औषधोपयोगी छोटा पौधा जिसकी जड़, फूल और पत्तियाँ सभी उपयोगी होती हैं।

**बनबिलाव पुं.** (देश.) बिल्ली की तरह का मटमैले रंग वाला एक जंगली हिंसक पशु।